क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 308, शनिवार, 08 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आम्रपाली पर ग्रेनो छात्रों का टोटा, 15 स्कूलों को बंद करेगा ईडीएमसी

नई दिल्ली एजेंसी। स्कूलों में लगातार कम होती बच्चों की संख्या के मद्देनजर नगर निगम 15 स्कूलों को बंद करेगा। इन बच्चों को उसी भवन में चलने वाले अन्य स्कूल में स्थानांतरित किया जाएगा। वर्तमान में 367 प्राथमिक स्कूल चल रहे हैं, जिनमें 1.81 लाख बच्चे पढ़ते हैं। 15 स्कूलों में बच्चों की संख्या काफी कम हो गई है। इन स्कूलों को चलाने से निगम के ऊपर लगातार बोझ बढ़ता जा रहा है। इन स्कूलों का विलय करने से निगम और बेहतर तरीके से कार्य कर सकेगा। इन स्कूलों में बच्चों की संख्या 200 से भी कम रह गई है। नंदनगरी के एक स्कूल में बच्चों की संख्या 84 है। निगम के ये स्कूल ज्वालानगर, ब्रजपुरी, कांतिनगर, कैलाशनगर, मयूर विहार पॉकेट-4, त्रिलोकपुरी ब्लॉक-16 व 22, कल्याणवास, पांडवनगर, नत्थू कॉलोनी, नंदनगरी बी-4, नंदनगरी ए-4, ताहिरपुर नंबर-1 और नंदनगरी ए-दो के स्कूल शामिल हैं।

नौकरी नहीं करने पर बाप ने डांटा तो बेटे ने उठाया ये खौफनाक कदम

नई दिल्ली एजेंसी। मध्यप्रदेश के नीमच जिले एक व्यक्ति की हत्या के मामले में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को 19 नवंबर को खेत से एक शख्स का शव मिला था और उसकी हत्या के आरोप में पुलिस ने किसी और को नहीं बल्कि उसकी पत्नी और बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला नीमच के सिंगोली पुलिस स्टेशन का मामला है। पुलिस अधीक्षक तुषारकान्त विद्यार्थी ने बताया कि 19 नवम्बर को ग्राम बरडावदा के एक खेत में कन्हैयालाल धाकड़ का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए। पुलिस ने जब मृतक के पुत्र लाभचंद (28) से पूछताछ की तो उसने कबूल किया कि उसने ही अपने पिता की हत्या की है। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह कोई काम-धंधा नहीं कर रहा था। इसके चलते उसके पिता आए दिन उसे डांटते थे। 15 नवम्बर को इसी स्थिति में उसने गुस्से में आकर पिता के सिर पर फावड़े से वार कर दिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। वारदात के बाद उसकी मां कंचन बाई और दोस्त चुन्नीलाल के साथ मिल कर पिता के शव को खेत में उगे पौधों के बीच छिपा दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा नहीं होगी, राममंदिर निमार्ण जल्द शुरू होगा: रामविलास वेदांती

लखनऊ बहराइच, एजेंसी। रामजन्म भूमि न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रामविलास वेदांती ने शुक्रवार को कहा कि अब सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा नहीं की जाएगी। 2019 चुनाव से पहले ही मंदिर का निमार्ण शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि सिर्फ शिवसेना के इसके लिए कानून के समर्थन में आने से कुछ नहीं होने वाला है। इसके लिए सभी को आगे आना होगा। वेदांती उत्तर प्रदेश के बहराइच के भिनगा में चल रही रामकथा में हिस्सा लेने आए थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से यह बात कही। वेदांती ने कहा कि आतंकवादियों को मुक्त कराने के लिए रात को 12 बजे सुप्रीम कोर्ट खुल सकता है। लेकिन राम मंदिर में लेटलतीफी चल रही है। हमारे देश के लोगों का भरोसा न्यायाधीशों से कम होता जा रहा है और इस बीच ऐसे निर्णय आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान और संस्कृति के विपरीत विवाहित हिन्दू औरत किसी दूसरे पुरुष से संबंध बना सकती है।

संविधान निर्माता डा. बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को बीकानेर में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करता एक बच्चा।

बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में फर्जी रेल अफसर पकड़ा गया

जांच में पाया गया कि पहले भी वह कई बार ट्रेन से यात्रा कर चुका है और पेंट्रीकार से फ्री खानपान का लाभ उठाता रहा है। अधिकारियों से बात कर पता चला कि उन्हें छात्र के आइआरटीएस होने की कोई जानकारी नहीं है। एक सफर के दौरान मुलाकात उसने अपने को आइआरटीएस अधिकारी बताया था।

लखनऊ एजेंसी। नई दिल्ली से दरभंगा जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से गुरुवार रात एक फर्जी रेलवे अफसर को टीटीई की सूझबूझ से पकड़ा गया।

रेलवे अधिकारियों ने टीम बनाकर फर्जी रेलवे अफसर को ट्रेन के ऐशबाग रेलवे जंक्शन पहुंचने पर गिरफ्तार किया। पकड़ा गया फर्जी रेलवे अफसर आईएएस की तैयारी करने वाला एक छात्र निकला। फर्जी रेलवे अफसर के पकड़े जाने पर पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने टीटीई को 2000 रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की। रेलवे अधिकारियों ने जुर्माना न देने के चलते छात्र को आरपीएफ को सौंपकर जेल भेज दिया है।

ट्रेन 12566 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में गुरुवार टीटीई रितेश विशाल की ड्यूटी थी। रितेश सेकेंड एसी में ड्यूटी कर रहे थे। टिकट चेकिंग के दौरान उन्हें एक बेटिकट यात्री मिला। जुर्माना जमा करने की मांग पर यात्री ने अपने को रेलवे का प्रोबेशनरी ऑफीसर बताया और टीटीई को अर्दब में लिया। रितेश डर गए। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल अधिकारियों को दी। मंडल अधिकारियों ने टीटीई से यात्री पर नजर रखने की बात कही।

ट्रेन नई दिल्ली से कानपुर के रास्ते होते हुए डेढ़ घंटे की देरी से रात्रि करीब 11.15 बजे ऐशबाग जंक्शन पहुंची।

मौके पर एसीएम प्रथम एमपी सिंह, सीनियर टीटीई आदित्य कुमार समेत टीम मौके पर पहुंच गई। उन्होंने पड़ताल शुरू की तो पता चला कि अपने को आइआरटीएस अधिकारी बताने वाला एक छात्र है।

अधिकारियों ने छात्र से जुर्माना जमा करने को कहा। लेकिन, छात्र जुर्माना नहीं दे पाया। इसके बाद अधिकारियों ने छात्र को ट्रेन से नीचे उतारकर आरपीएफ को सौंप दिया।

पहले भी कर चुका है यात्रा

ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में छापेमारी के दौरान छात्र के पास से सीनियर डीसीएम सोनपुर और समस्तीपुर के अधिकारियों के नंबर भी मिले।

जांच में पाया गया कि पहले भी वह कई बार ट्रेन से यात्रा कर चुका है और पेंट्रीकार से फ्री खानपान का लाभ उठाता रहा है। अधिकारियों से बात कर पता चला कि उन्हें छात्र के आइआरटीएस होने की कोई जानकारी नहीं है। एक सफर के दौरान मुलाकात उसने अपने को आइआरटीएस अधिकारी बताया था। दिल्ली में आईएएस की तैयारी कर रहा था छात्र रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार छात्र नई दिल्ली में रहकर आईएएस की तैयारी कर रहा था और हाजीपुर जाने के लिए ट्रेन में सवार हुआ था।

पहली बार घर जाने के लिए उसने फर्जी रेलवे अफसर बनने का सहारा लिया, जिसमें सफल होने के बाद उसने ट्रेन से आना जाना शुरू किया।

ऑन ड्यूटी टीटीई होंगे सम्मानित

सफर के दौरान फर्जी रेलवे अफसर बताकर छात्र ने पहले तो कोच कंडक्टर को अर्दब में लेकर धमकाया। लेकिन, ऑन ड्यूटी टीटीई रितेश विशाल ने बिना डरे प्रकरण की जानकारी रेलवे अफसरों को देकर उसको पकड़ने में मदद की और ऐशबाग तक उसका पीछा भी किया।

पूरी रात सफर के दौरान टीटीई ने उस पर निगरानी रखी।

पूर्वोत्तर रेलवे के सीनियर डीसीएम स्वदेश कुमार सिंह ने टीटीई रितेश विशाल के इस कार्य के लिए उन्हें 2000 रुपये देकर सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

यूपी : जौनपुर में दीवार गिरने से 4 बच्चों की दबकर मौत

जौनपुर। जौनपुर के रेहटी गांव में शुक्रवार को तीन बच्चों की चहारदीवारी के मलबे में दबने से मौत हो गई। यह खबर मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव निवासी महेंद्र यादव ने ट्रक से बालू गिरवाया था। शुक्रवार को दिन में एक बजे बालू को जेसीबी मशीन से बगल में स्थित बाउंड्रीवाल के अंदर शिफ्ट किया जा रहा था। बालू अधिक होने के कारण बाउंड्रीवाल की दीवार गिर पड़ी।

इस दौरान वहां खेल रहे चार बच्चे मलबे में दब गए। जिसमें तीन की मौत हो गयी। एक की हालत खराब होने पर उसे बीएचयू भेज दिया गया। मरने वाले बच्चों का नाम आयुष 8 वर्ष , असजद 6 वर्ष , हरीश 6 वर्ष है।

छह वर्षीय शिव राजभर गम्भीर रूप से घायल हो गया। एक साथ तीन बच्चों की मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी।

घटना के बाद जेसीबी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

»» एनपीएस में पेंशन बढ़ाने को मंजूरी

कृषि निर्यात डबल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संगठित क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत पेंशन बढ़ाने को मंजूरी दे दी है, लेकिन सरकार ने आदर्श चुनाव संहिता को देखते हुए औपचारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की । अरुण जेटली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, लेकिन राजस्थान में चुनाव के कारण इनकी औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की जा रही है। जेटली से यह पूछे जाने पर कि राष्ट्रीय पेंशन योजना के संबंध में क्या फैसला हुआ तो उन्होंने कहा कि आप खुद समझदार हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कृषि क्षेत्र का निर्यात 2022 तक दोगुना कर 60 अरब डॉलर पर पहुंचाने के लक्ष्य को सामने रखते हुए कृषि निर्यात नीति को मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने कृषि निर्यात नीति को मंजूरी दी है जो पीएम नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है जिसमें 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य है। 2022 तक कृषि उत्पाद का निर्यात 60 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल 37 अरब डॉलर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने मंत्रिमंडल के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, कृषि निर्यात नीति का मकसद क्षेत्र से चाय, काफी, चावल तथा अन्य जिंसों के निर्यात को बढ़ावा देना है। इससे नियंतग्र कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढाने में मदद मिलेगी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद प्रभु ने कहा, कृषि निर्यात नीति का लक्ष्य वर्ष 2022 तक देश का कृषि निर्यात दोगुना कर 60 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इस नीति में कृषि निर्यात से जुड़े सभी पहलुओं पर गौर किया गया है। इसमें ढांचागत सुविधाओं का आधुनिकीकरण, उत्पादों का मानकीकरण, नियमन को बेहतर बनाना, बिना सोचे फैसले फैसलों पर अंकुश और शोध एवं विकास गतिविधियों पर ध्यान दिया गया है। वाणिज्य मंत्री ने कहा, नीति में जैविक उत्पादों के निर्यात पर लगे सभी तरह के प्रतिबंधों को हटाने पर भी जोर दिया गया है। एक अधिकारी के मुताबिक इस नीति के क्रियान्वयन में अनुमानित 1,400 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव होगा।

साइबर पण्राली के लिए राष्ट्रीय मिशन को मंजूरी : सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में साइबर पण्राली को मजबूत बनाने के लिए भी एक राष्ट्रीय मिशन बनाने का फैसला किया है। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बताया कि अंतरक्षेत्रीय साइबरभौतिक पण्राली पर एक राष्ट्रीय मिशन बनाया जाएगा। यह प्रौद्योगिकी, एप्लिकेशन, मानव संसाधन एवं कौशल विकास तथा नवोद्यम एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक समग्र मिशन के रूप में काम करेगा। मिशन के तहत 15 प्रौद्योगिकी नवाचार हब, छह एप्लिकेशन नवाचार हब और चार प्रौद्योगिकी ट्रांसलेशन अनुसंधान पार्क बनाये जाएंगे। ये उद्योग, शिक्षण संस्थानों तथा केंद्र एवं राज्य के मंत्रालयों को आपस में जोड़ने का काम करेंगे।

आरईसी में सरकार की पूरी हिस्सेदारी पीएफसी को बेची जाएगी : मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी में सरकार की पूरी 52.63 प्रतिशत हिस्सेदारी को पावर फाइनेंस कारपोरेशन (पीएफसी) को बेचने को मंजूरी दे दी। सरकार को इस विनिवेश से करीब 15,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। जेटली ने कहा, सीसीईए ने प्रबंधन नियंतग्र के हस्तांतरण के साथ आरईसी लि. में कुल चुकता पूंजी में सरकार की 52.63 प्रतिशत हिस्सेदारी पावर फाइनेंस कारपोरेशन (पीएफसी) को बेचने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी।

जलियांवाला बाग स्मारक अधिनियम में बदलाव : केंद्र सरकार ने जलियांवाला राष्ट्रीय स्मारक अधिनियम 1951 में भी बदलाव करते हुए विपक्षी दल के नेता को इसमें सदस्य बनाने को मंजूरी प्रदान कर दी है। जेटली ने कहा, अधिनियम में तीन संशोधन किए गए हैं।

यूपी: पिता-पुत्र ने प्रेम-प्रसंग में युवक की हत्या कर शव कार में जलाया, गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मेरठ में प्रेम-प्रसंग के मामले में युवक की हत्या कर शव को कार में डालकर जलाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही घटना का खुलासा कर दो आरोपी हमलावरों (पिता-पुत्र) को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने हत्या करने की बात कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने समाज में परिवार की बदनामी के डर से हत्या की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि कल रात थाना गंगा नगर क्षेत्र में एक जली हुई गाड़ी मिली थी। इसके अंदर एक जला हुआ शव भी मौजूद था। बुरी तरह जला होने के कारण शव की शिनाख्त नही हो पाई है। उन्होने बताया कि बहुत प्रयासों के बाद गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर उसके मालिक की पहचान संजीव उर्फ शैंकी (25) निवासी चंढेरी थाना मवाना के रूप में हुई। अधिकारी ने बताया कि संजीव का पल्लवपुरम की एक लड़की से करीब दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। घटना की रात लड़की से मिलने संजीव उसके घर गया था। परिजनों ने अपनी बदनामी होने के डर से लड़के की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को उसी की गाड़ी में रख कर उसे जला दिया। उन्होंने आगे बताया कि घटना के संबंध में मृतक के फुफेरे भाई विकास कुमार की तहरीर के आधार पर थाना गंगानगर पुलिस ने गुलाब सिंह और उसके दो पुत्रों पम्मी सिंह और ओमवीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गुलाब सिंह तथा पम्मी सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

देश के नये मुख्य आर्थिक सलाहकार बने प्रोफेसर कृष्णमूर्ति सुब्रहमण्यम

एजेंसी,नई दिल्ली। प्रोफेसर कृष्णमूर्ति सुब्रहमण्यम को देश का नया मुख्य आर्थिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस हैदराबाद में प्राध्यापक हैं। सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यूज एजेंसी भाषा के मुताबिक उल्लेखनीय है कि इस साल की शुरुआत में अरविंद सुब्रहमणियन के करीब साढ़े चार साल बाद वित्त मंत्रालय को छोड़ने के बाद से मुख्य आर्थिक सलाहकार का पद रिक्त पड़ा था। कृष्णमूर्ति सुब्रहमण्यम का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। एक सरकारी अधिसूचना के मुताबिक, ' 'नियुक्ति मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रहमण्यम की मुख्य आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्ति को मंजूरी प्रदान कर दी। वह आईएसबी हैदराबाद में सहायक प्राध्यापक हैं। सुब्रहमण्यम के पास शिकागो बूथ स्कूल से पीएचडी की उपाधि है।

यूपी: बरेली के नवोदय अस्पताल में लगी आग, बाल-बाल बचे मरीज

बरेली एजेंसी। बरेली के मिनी बाईपास के नवोदय अस्पताल में अचानक आग लगने से 20 से अधिक मरीजों की जान पर बन आई। आग की लपटें और धुआं देख अस्पताल का स्टाफ भाग खड़ा हुआ। धुएं से मरीजों का दम घुटा तो अस्पताल में हर तरफ भगदड़ मच गई। तीमारदार अपने मरीजों को जैसे-तैसे अस्पताल से बाहर लेकर आए। अस्पताल प्रशासन के हरकत में आने के बाद स्टाफ सक्रिय हुआ। स्टाफ ने मरीजों को स्ट्रेचर व व्हील चेयर उपलब्ध कराई और उन्हें दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया। मिनी बाईपास पर कर्मचारी नगर चौकी के पास नवोदय अस्पताल है। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे अस्पताल के बेसमेंट में बने ऑपरेशन थिएटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते ऑपरेशन थिएटर में रखी दवाओं व दूसरे सामान ने आग पकड़ ली और बेसमेंट समेत पूरा अस्पताल धुएं से भर गया। उस वक्त अस्पताल में 20 से अधिक मरीज भर्ती थे। आग और धुआं देखकर अस्पताल का स्टाफ भाग खड़ा हुआ। दम घोंट देने वाले धुएं के बीच तीमारदार अपने-अपने मरीजों को लेकर बाहर की ओर दौड़े तो अफरातफरी मच गई। कोई सड़क पर दौड़ पड़ा तो कोई पड़ोस की दुकानों और घर में घुस गया। मरीज और तीमारदारों की भीड़ जुटने से मिनी बाईपास रोड भी जाम हो गया।

सूचना के करीब एक घंटे के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद सड़क किनारे स्ट्रेचर और व्हील चेयर पर दर्द से कराह रहे मरीजों को दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में आग लगने की यह साल की दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले साई अस्पताल के आईसीयू में लगी आग में दो मरीजों की मौत हो गई थी। नवोदय अस्पताल के डॉ. उमेश गंगवार ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर के डॉक्टर्स रेस्ट रूम में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। उस वक्त अस्पताल में करीब 20 मरीज एडमिट थे। अस्पताल के स्टाफ ने बहादुरी का परिचय देते हुए धुएं में फंसे मरीजों को व्हील चेयर और स्ट्रेचर से बाहर निकाला। बाद में उन्हें दूसरे अस्पतालों में भेजा गया। हादसे में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। आग बुझने के बाद कुछ मरीज दोबारा आकर अस्पताल में एडमिट हो गए। स्टाफ के भागने वाली बात गलत है। जो मरीज ये आरोप लगा रहे हैं, वो सच नहीं बोल रहे।

संपादकीय

अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में आयोजित जी-20 देशों का 13वां शिखर सम्मेलन भारत के लिहाज से बेहतर रहा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में ढांचागत सुधार और भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर सख्ती के प्रस्ताव पर सहमति बनी है। इन दोनों ही पहलुओं पर गंभीरता से अपना पक्ष रखता रहा है। कई ऐसे मुद्दे भी रहे, जिन पर एक राय नहीं बन पाई है।

जी-20 की उपलब्धियां और चुनौतियां

जटिल वैश्विक कूटनीतिक दावपेचों के बीच अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में आयोजित जी-20 देशों का 13वां शिखर सम्मेलन वैश्विक व्यापार, डब्ल्यूटीओ में सुधार, रोजगार, निवेश, संरक्षणवाद, आतंकवाद और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के साथ संपन्न हो गया। वैश्विक व्यापार को लेकर चल रही तनातनी के बीच राहत की बात रही कि जी-20 के देशों ने एकस्वर में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में ढांचागत सुधार पर हामी भरी। संगठन के देशों ने बेहिचक स्वीकार भी किया कि विश्व व्यापार संगठन वृद्धि और रोजगार सृजन के अपने उद्देश्यों को हासिल करने में विफल रहा है। यह संभव है कि आने वाले वक्त में विश्व व्यापार संगठन को रोजगारोन्मुख बनाने की पहल तेज हो। जी-20 शिखर सम्मेलन भारत के लिए इस अर्थ में ज्यादा महत्वपूर्ण है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आर्थिक अपराधियों के खिलाफ पेश नौ-सूत्रीय एजेंडा को संगठन के सभी देशों ने गंभीरता से लिया और माना कि भगोड़े आर्थिक अपराधियों को प्रवेश देने और सुरक्षित पनाहगाह पाने से रोकने के लिए एक पूरा तंत्र विकसित करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नौ सूत्रीय एजेंडे में संगठन के सभी देशों से आग्रह भी किया कि भगोड़े आर्थिक अपराधियों से निपटने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग के साथ यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन अगेंस्ट करप्शन और यूनाइटेड नेशंस अगेंस्ट ट्रांसनेशनल आर्गनाइज्ड क्राइम के सिद्धांतों खासकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित को पूर्णतः एवं प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने की जरूरत है। गौरतलब है कि भारत के कई रसूखदार आर्थिक अपराध को अंजाम देकर दूसरे देशों में शरण लिए हुए हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि अगर संगठन के सभी इस दिशा में ठोस पहल करते हैं तो सूचना के बेहतर आदान-प्रदान के जरिए भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सकेगा। गौर करें तो प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में वैश्विक चिंताओं को साझा करते हुए इस मंच का भारत के हित में शानदार सदुपयोग किया है।

पीएम मोदी ने जहां एक ओर जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से साझा मसलों पर गंभीर विमर्श कर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा आर्थिक वृद्धि वाला क्षेत्र बनाने की अपनी वचनबद्धता पर प्रतिबद्धता जताई वहीं चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग एवं रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भारत के इस मत का समर्थन करने में सफल रहे कि संयुक्त राष्ट्र व डब्ल्यूटीओ जैसे अन्य संस्थानों में ढांचागत सुधार की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से भारत, चीन और रूस के बीच 12 साल बाद दूसरी बार त्रिपक्षीय वार्ता हुई जो कि इन देशों के बीच संबंधों के पुनर्मूल्यांकन, विश्वास बहाली और क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि इससे पहले इन तीनों देशों के नेताओं के बीच 2006 में त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी। आने वाले वक्त में इस वार्ता के शानदार आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। गौर करें तो वुहान बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच यह चौथी मुलाकात है। बार-बार मुलाकात और संवाद ने दोनों देशों के रिश्तों में मिठास घोली है। उसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग दोनों ने एकस्वर में स्वीकार किया कि नियमित संवाद से दोनों देशों के रिश्तों को मजबूती मिली है। उम्मीद है कि आने वाले वक्त में दोनों देश जटिल सीमा-विवाद को भी सुलझाने में सफल रहेंगे।

भारत के लिए चीन और रूस से बेहतर संबंध रक्षा, सुरक्षा, क्षेत्रीय शांति और आर्थिक सुधार को गति देने के लिए बेहद आवश्यक है। शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियों गुतेरस के बीच पर्यावरण को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हुआ और पेरिस पर्यावरण समझौते पर एंटोनियों गुतेरस ने भारत के रुख की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि पेरिस समझौते के तहत भारत ने 2030 तक पर्यावरण के लिए घातक गैसों का उत्सर्जन 35 प्रतिशत तक घटाने की घोषणा की है। इसके अलावा पर्यावरण की सुरक्षा के निमित्त भारत व फ्रांस ने मिलकर इंटरनेशनल सोलर एलायंस बनाया है जिसमें 121 अन्य देशों को भी जोड़े जाने की तैयारी है। इन देशों में पहुंचने वाली सूर्य की किरणों का लाभ लेते हुए उनसे ऊर्जा पैदा की जाएगी। यहां जानना आवश्यक है कि गत वर्ष जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में आयोजित जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन व दक्षिण अफ्रीका) ने जी-20 के सदस्य देशों से अमेरिका के अलग होने के बावजूद भी पेरिस जलवायु करार को कड़ाई से लागू करने की अपील की और कहा कि पेरिस समझौता अपरिवर्तनीय है और उससे पलटा नहीं जा सकता।

भारत आज भी अपनी पुरानी प्रतिबद्धता पर कायम है। प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपियन संघ के साथ भारत के रिश्ते मजबूत करने की पहल के साथ आतंकवाद से निपटने के संयुक्त प्रयास पर भी चर्चा की। अच्छी बात है कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद और कट्टरवाद के साथ-साथ रासायनिक, जैविक, रेडियालॉजिकल व परमाणु खतरों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर सहमति जताई है। भारत के लिए यह उपलब्धि है कि वह 2022 में अगले जी-20 शिखर सम्मेलन का मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है कि 2022 में भारत अपनी आजादी की 75 वीं सालगिरह मनाएगा। जी-20 के 13वें शिखर सम्मेलन का मूल्यांकन करें तो यह विचार-विमर्श तक सीमित रहा। उसके द्वारा मौद्रिक, वित्तीय और संरचनात्मक नीतियों पर तालमेल बिठाने और कर चोरी रोकने के संदर्भ कोई रोडमैप नहीं खींचा गया। सम्मेलन में उम्मीद थी कि जी-20 के देश आर्थिक मुद्दों विशेष रूप से असंतुलित विकास, वैश्विक मांग में कमी और ढांचागत समस्याओं से निपटने की चुनौती को सामने रख किसी ठोस समझौते को आकार देंगे। लेकिन सिर्फ चर्चा तक ही सीमित रहे। इसके अलावा काला धन से निपटने, टैक्स मामले में पारदर्शिता लाने, निवेश प्रवाह बढ़ाने, अर्थव्यवस्था के लिए मुक्त आवाजाही पर जोर, विकास के लिए ऊर्जा की आवश्यकता और कॉरपोरेट टैक्स की चोरी रोकने के लिए नीतिगत उपाय पर भी गौर नहीं फरमाया गया।

सदस्य देशों द्वारा नीतिगत समन्वय और सहयोग की दिशा में आगे बढ़कर वैश्विक वित्तीय बाजार की स्थिरता के लिए मुद्रानीति को और प्रभावी बनाने पर भी गंभीरता नहीं दिखाई गई। उम्मीद थी कि सदस्य देश मौजूदा आर्थिक ठहराव से उबरने व विश्व में रोजगारोन्मुख माहौल निर्मित करने के लिए सरकारी खर्च और वित्तीय अनुशासन के मध्य संतुलन स्थापित करने की दिशा में ठोस नीति बनाएंगे। लेकिन वे शुतुर्गमुर्गी रवैया अपनाते दिखे। सम्मेलन में संरक्षणवादी उपायों को वापस लेने के साथ कर नियमों को बेहतर बनाने की दिशा में किसी तरह की ठोस पहल नहीं हुई। अगर इस पर चर्चा हुई होती तो निःसंदेह विकासशील देशों का भला होता। मौजूदा समय में जी-20 की बड़ी चुनौती उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों में रोजगार का संकट खत्म करना, धीमी वृद्धि के अलावा यूरोप में वित्तीय बाजार के बिखराव को रोकना है। अच्छी बात यह है कि भारत हर सम्मेलन में समस्याओं पर चिंता जाहिर कर जी-20 को उसका लक्ष्य याद दिला रहा है।

अरविंद जयतिलक
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

गवाहों की सुरक्षा मुकम्मल हो

सुप्रीम कोर्ट ने गवाहों और उनके परिवार के सदस्यों को उनकी जान और साख के खिलाफ किसी भी खतरे से रक्षा करने की सरकार की योजना को मंजूरी दे दी है। गवाहों को सुरक्षा न मिलने से ही वे अदालतों में सच बताने से डरते हैं और अपराधी कानून से बच जाते हैं।

गवाहों को धमका कर या मारपीट कर गवाही से रोकना आम बात है। अधिकांश मामलों में ऐसे ही कारणों से गवाह भी मुकर जाते हैं। यही कारण है कि पुलिस अधिकांश मुकदमे हार जाती है और मुजरिम अदालत से बरी हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट भी सरकारों को हिदायत दे चुकी है कि वह गवाहों को सुरक्षा उपलब्ध कराए और किसी मामले में गवाह को कोई नुकसान न पहुंचे। पर अब तक इस दिशा में कोई गंभीर पहल होती नहीं दिखी है। अब सुप्रीम कोर्ट ने गवाहों और उनके परिवार के सदस्यों को उनकी जान और साख के खिलाफ किसी भी खतरे से रक्षा करने की सरकार की योजना को मंजूरी दे दी है। न्यायालय ने सभी राज्यों से इसे अक्षरशः लागू करने के लिए कहा है। आसाराम से जुड़े बलात्कार मामले के गवाहों के संरक्षण के लिए दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट में गवाहों को सुरक्षा मुहैया कराने की योजना की बात सामने आई थी। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि 2019 के अंत तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा सभी जिला अदालतों में संवेदनशील गवाहों के बयान दर्ज कराने के लिए परिसर बनाए जाएं।

इस आदेश से पहले दिल्ली सरकार ने गवाहों की सुरक्षा के लिए नीति बनाकर एक मिसाल कायम की थी। 2015 में इस पहल के बाद दूसरे राज्यों से अपेक्षा की गई थी कि वे भी इस योजना पर दिलचस्पी दिखाएंगे, मगर ऐसा हो नहीं सका। बता दें कि दिल्ली सरकार ने गवाहों की सुरक्षा के लिए जो विशेष नीति बनाई है, उसके तहत अलग-अलग मामलों के गवाहों का वर्गीकरण किया जाएगा। सुरक्षा के लिए फंड का इंतजाम किया जाएगा और यह व्यवस्था की जाएगी कि गवाहों की बात संबंधित अथॉरिटी व अधिकारी तक ठीक से पहुंच सके। दिल्ली सरकार ने भी यह कदम तब उठाया था, जब हाईकोर्ट ने उसे सुस्ती के लिए फटकार लगाई थी। गवाहों की सुरक्षा को लेकर पिछले कुछ वर्षों में बहस तेज हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार इस ओर ध्यान खींचा लेकिन किसी भी सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इस बीच कई हाई प्रोफाइल केस सामने आए, जिनमें गवाहों को जोर-जबर्दस्ती के बल पर या पैसे का लालच देकर बयान बदलने के लिए बाध्य किया गया और वे तब भी इसके लिए राजी नहीं हुए तो उनकी हत्या कर दी गई।

जेसिका लाल हत्याकांड और यूपी के एनएचआरएम घोटाले को लोग भूले नहीं हैं, जिनमें एक मामले में कुछ गवाह काफी दूर तक जाकर पलट गए, जबकि दूसरे में गवाहों की अकाल मौतों की झड़ी सी लग गई। हमारे देश में न्यायिक प्रक्रिया इतनी लंबी है कि एक गवाह का काफी समय अदालत के चक्कर काटने में ही खर्च हो जाता है। ऐसे में देर-सबेर उसकी नैतिक ऊर्जा का चुक जाना स्वाभाविक है। ज्यादातर लोग जान के भय से सब कुछ जानते हुए भी गवाही देने से बचते हैं। इसके विपरीत विकसित देशों में गवाहों के लिए काफी ठोस कानून बने हुए हैं। हमें भी ऐसी व्यवस्था बनानी होगी।

अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती धमक

इसरो ने एक बार फिर अंतरिक्ष में इतिहास रचते हुए भारत सहित नौ देशों के कुल 31 उपग्रहों को पोलर सैटलाइट लॉन्च वीइकल (पीएसएलवी) सी-43 के जरिए लॉन्च कर दिया। इस प्रक्षेपण की खास बात यह है कि इसरो ने दो साल में चौथी बार 30 से ज्यादा सैटेलाइट लॉन्च किए। जनवरी 2017 में 104 उपग्रह लॉन्च कर इसरो ने रिकॉर्ड बनाया था। ग्लोबल सैटेलाइट मार्केट में भारत की हिस्सेदारी बढ़ रही है। अभी यह इंडस्ट्री 200 अरब डॉलर से ज्यादा की है। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है जबकि भारत की हिस्सेदारी अब लगातार साल दर साल बढ़ रही है। सैटेलाइट ट्रांसपोंडर को लीज पर देने, भारतीय और विदेशी क्लाइंट्स को रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट की सेवाओं को देने के बदले में हुई कमाई से इसरो का राजस्व लगातार बढ़ रहा है। एक साथ कई उपग्रहों के प्रक्षेपण के सफल होने से दुनिया भर में छोटी सैटेलाइट लॉन्च कराने के मामले में इसरो पहली पसंद बन जाएगा, जिससे देश को आर्थिक तौर पर फायदा होगा।

इसरो ने भारत सहित नौ देशों के कुल 31 उपग्रहों को पोलर सैटलाइट लॉन्च वीइकल (पीएसएलवी) सी-43 के जरिए लॉन्च कर एक बार फिर अंतरिक्ष में इतिहास रचा है। इसरो की कम लागत में प्रक्षेपण की खूबी से दुनियाभर का ध्यान भारत की ओर आकर्षित किया है। हालांकि, अंतरिक्ष क्षेत्र में अब भी ढेरों चुनौतियां हैं, जिन पर इसरो को अपना एकाधिकार जमाना होगा और हर तरह से अपना वर्चस्व स्थापित करना होगा।

पीएसएलवी की यह अब तक की 45वीं उड़ान थी जिसमें एक माइक्रो व 29 नैनो सैटेलाइट शामिल हैं। पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) की इस साल में यह छठीं उड़ान थी। इसमें भारत के सबसे ताकतवर इमेजिंग सैटेलाइट हाइसइस के अलावा अमेरिका (23 उपग्रह) और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, कोलंबिया तथा फिनलैंड, मलयेशिया, नीदरलैंड और स्पेन (प्रत्येक का एक उपग्रह) के उपग्रहों का प्रक्षेपण किया गया। इसरो के अनुसार इन उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए उसकी वाणिज्यिक इकाई (एंट्रिक्स कारपोरेशन लिमिटेड) के साथ करार किया गया है। कुछ साल पहले एक समय ऐसा भी था जब अमेरिका ने भारत के उपग्रहों को लांच करने से मना कर दिया था। आज स्थिति यह है कि अमेरिका सहित तमाम देश खुद भारत से अपने उपग्रहों को प्रक्षेपित करवा रहे हैं।

कम लागत और बेहतरीन टेक्नोलॉजी की वजह से दुनिया के कई देश इसरो के साथ व्यावसायिक समझौता करने आगे आ रहे हैं। अब पूरी दुनिया में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम की भविष्यवाणी और दूरसंचार का क्षेत्र बहुत तेज गति से बढ़ रहा है और चूंकि यह सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से संचालित होती हैं इसलिए उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग में तेज बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि इस क्षेत्र में चीन, रूस, जापान आदि देश प्रतिस्पर्धा में हैं, लेकिन यह बाजार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि यह मांग उनके सहारे पूरी नहीं की जा सकती। ऐसे में व्यावसायिक तौर पर यहां भारत के लिए बहुत संभावनाएं हैं। कम लागत और सफलता की गारंटी इसरो की सबसे बड़ी ताकत है जिसकी वजह से स्पेस इंडस्ट्री में आने वाला समय भारत के एकाधिकार का होगा। हाल में ही प्रक्षेपित हाइपर स्पेक्ट्रल इमेजिंग उपग्रह (हाइसइस) को 44.4 मीटर लंबे और 230 टन वजनी पीएसएलवी सी-43 से रॉकेट से छोड़ा गया है। पृथ्वी की निगरानी के लिए इसरो ने हाइसइस को विशेष रूप से तैयार किया है। हाइसइस पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड का भी अध्ययन करेगा, साथ ही सतह का भी अध्ययन करेगा। एक विशेष चिप की मदद से तैयार किया गया ऑप्टिकल इमेजिंग डिटेक्टर ऐरे रणनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। हाइसइस की मदद से पृथ्वी धरती के चप्पे-चप्पे पर नजर रखना आसान हो जाएगा। अब धरती से 630 किमी दूर अंतरिक्ष से पृथ्वी पर मौजूद वस्तुओं के 55 विभिन्न रंगों की पहचान आसानी से की जा सकेगी।

इस उपग्रह का मूल उद्देश्य पृथ्वी की सतह के साथ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पैक्ट्रम में इंफ्रारेड और शॉर्ट वेव इंफ्रारेड फील्ड का शोध करना है। हाइपर स्पेक्ट्रल इमेजिंग या हाइस्पेक्स इमेजिंग की एक खूबी यह भी है कि डिजिटल इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी की शक्ति को जोड़ती है। हाइस्पेक्स इमेजिंग अंतरिक्ष से एक दृश्य के हर पिक्सल के स्पेक्ट्रम को पढ़ने के अलावा पृथ्वी पर वस्तुओं, सामग्री या फिर प्रक्रियाओं की अलग पहचान भी करती है। इससे पर्यावरण सर्वेक्षण, फसलों के लिए उपयोगी जमीन का आकलन, तेल व खनिज पदार्थों की खानों की खोज आसान होगी। असल में इतने सारे उपग्रहों को एक साथ अंतरिक्ष में छोड़ना आसान काम नहीं है। इन्हें कुछ वैसे ही अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाता है जैसे स्कूल बस बच्चों को क्रम से अलग-अलग ठिकानों पर छोड़ती जाती हैं। तेज गति से चलने वाले अंतरिक्ष रॉकेट के साथ एक-एक सैटेलाइट के प्रक्षेपण का तालमेल बिठाने के लिए बेहद काबिल तकनीशियनों और इंजीनियरों की जरूरत पड़ती है। अंतरिक्ष प्रक्षेपण के फायदेमंद बिजनेस में इसरो को नया खिलाड़ी माना जाता है। इस कीर्तिमान के साथ सस्ती और भरोसेमंद लॉन्चिंग में इसरो की ब्रांड वैल्यू में इजाफा होगा। लॉन्चिंग के कई और कॉन्ट्रेक्ट एजेंसी की झोली में गिरने की उम्मीद है।

कम लागत और लगातार सफल लांचिंग की वजह से दुनिया का हमारी स्पेस टेक्नोलॉजी पर भरोसा बढ़ा है तभी अमेरिका सहित कई विकसित देश अपने सैटेलाइट की लांचिंग भारत से कराने आ रहे हैं। फिलहाल हम अंतरिक्ष विज्ञान, संचार तकनीक, परमाणु ऊर्जा और चिकित्सा के मामलों में न सिर्फ विकसित देशों को टक्कर दे रहे हैं बल्कि कई मामलों में उनसे भी आगे निकल गए हैं। अंतरिक्ष बाजार में भारत के लिए संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं, इसने अमेरिका सहित कई बड़े देशों का एकाधिकार तोड़ा है। असल में, इन देशों को हमेशा यह लगता रहा है कि भारत यदि अंतरिक्ष के क्षेत्र में इसी तरह से सफलता हासिल करता रहा तो उनका न सिर्फ उपग्रह प्रक्षेपण के कारोबार से एकाधिकार छिन जाएगा बल्कि मिसाइलों की दुनिया में भी भारत इतनी मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है कि बड़ी ताकतों को चुनौती देने लगे। पिछले दिनों दुश्मन मिसाइल को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता वाली इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल प्रक्षेपण इस बात का सबूत है कि भारत बैलेस्टिक मिसाइल रक्षा तंत्र के विकास में भी बड़ी कामयाबी हासिल कर चुका है। दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त करने के लिए ही भारत ने सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल बनाकर कई देशों की नींद उड़ा दी है।

अरबों डॉलर का मार्केट होने से भविष्य में अंतरिक्ष में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इसमें और ज्यादा प्रगति करके इसका बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक उपयोग भी संभव है। ऐसे में भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई सफलताएं हासिल कर विकास को अधिक गति दे सकता है। जो देश में गरीबी दूर करने और विकसित भारत के सपने को पूरा करने में इसरो काफी मददगार साबित हो सकता है। कुल मिलाकर एक साथ कई उपग्रहों के सफलतापूर्वक प्रक्षेपण से इसरो को बहुत ज्यादा व्यावसायिक फायदा होगा जो भविष्य में इसरो के लिए संभावनाओं के नए दरवाजे खोल देगा जिससे भारत को निश्चित रूप से बहुत फायदा पहुंचेगा। अब समय आ गया है कि जब इसरो व्यावसायिक सफलता के साथ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरह अंतरिक्ष अन्वेषण पर ज्यादा ध्यान दे।

इसरो को अब अंतरिक्ष अन्वेषण और शोध के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी क्योंकि जैसे जैसे अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी वैसे-वैसे अंतरिक्ष अन्वेषण बेहद महत्वपूर्ण होता जाएगा। इस काम इसके लिए सरकार को इसरो का सालाना बजट भी बढ़ाना पड़ेगा जो कि फिलहाल नासा के मुकाबले काफी कम है। भारी विदेशी उपग्रहों को अधिक संख्या में प्रक्षेपित करने के लिए हमें पीएसएलवी के साथ-साथ जीएसएलवी रॉकेट का भी उपयोग करना होगा। पीएसएलवी अपनी सटीकता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है लेकिन ज्यादा भारी उपग्रहों के लिए जीएसएलवी का प्रयोग करना ही होगा। फिर मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान पर भी इसरो को जल्द काम शुरू करना होगा।

शशांक द्विवेदी
(तकनीकी मामलों के जानकार)

ट्विटर

गवाहों की सुरक्षा को लेकर लंबे अरसे से कवायद चल रही है, मगर अब तक सफलता इसलिए नहीं मिल पाई क्योंकि सरकारों की इस ओर कोई दिलचस्पी नहीं है।

सुलखान सिंह, पूर्व पुलिस अफसर, यूपी

गवाहों की सुरक्षा को लेकर सरकार फिक्रमंद है व दोषियों को जेल तक पहुंचाने में जो भी बाधाएं हैं, उन्हें दूर करेगी। सरकार हर गवाह को पूरी सुरक्षा देगी, ऐसी कोशिश जारी है।

किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

सत्यार्थ

प्रिय मित्र की पहचान

एक आश्रम में कई छात्र शिक्षा ग्रहण करते थे। एक दिन कुछ छात्रों ने गुरु से पूछा- गुरुजी, धन, कुटुंब व धर्म में कौन सच्चा सहायक होता है। गुरुजी ने प्रश्न का सीधा उत्तर न देते हुए उन्हें एक कथा सुनाई- एक व्यक्ति के तीन मित्र थे, जिनमें एक सब से प्रिय था। उसके साथ वह अधिक समय बिताता था। कहीं भी जाना होता तो उसी के साथ जाता। दूसरे मित्र से उसकी कम घनिष्ठता थी और तीसरा मित्र बिलकुल उपेक्षित था। वह उससे बहुत कम मिलता था। एक बार वह व्यक्ति

किसी मुसीबत में फंस गया। उसको राज दरबार में बुलाया गया। वह घबरा गया। उसे अकेले जाने में डर लगा, सो उसने अपने किसी मित्र को साथ ले जाने की सोची। वह अपने सबसे प्रिय मित्र के पास गया, पर उसने उसके साथ जाने से मना कर दिया। फिर वह दूसरे के पास गया। उसने भी व्यस्तता के कारण जाने से मना कर दिया। हां, यह जरूर कहा कि और कोई मदद हो तो कर दूंगा। वह व्यक्ति निराश हो गया। फिर वह तीसरे मित्र के पास पहुंचा। तीसरे मित्र ने उसकी पूरी बात सुनी और सहायता करने का वचन देकर उसके साथ राज दरबार गया। राज दरबार में उसने अपने मित्र का पक्ष रखा और उसे संकट से बचा कर ले आया। कथा पूरी होने पर गुरुजी ने शिष्यों को तीनों के प्रतीकात्मक अर्थ बताए- पहला मित्र धन है, जिसे परमप्रिय समझा जाता है, मगर वह मृत्यु के बाद घर के बाहर एक कदम नहीं निकालता। दूसरा मित्र कुटुंब है, जो यथासंभव सहायता तो करता है, लेकिन उसका सहयोग शरीर रहने तक ही रहता है। धर्म ही वह मित्र है, जो इस लोक और परलोक दोनों में साथ देता है। हम इसके प्रति उपेक्षा का भाव रखते हैं, लेकिन यही स्थायी सुख-शांति प्रदान करता है।

अंजू अग्निहोत्री

अमित शाह का ममता बनर्जी पर हमलाः जोर लगा लीजिए, हम रथ यात्रा तो निकालकर रहेंगे और ईंट से ईंट बजा देंगे

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी की आज यानी शुक्रवार से शुरू होने वाली रथ यात्रा पर पश्चिम बंगाल सरकार के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी रोक लगा दी है। रथ यात्रा की मंजूरी सरकार और कोर्ट के द्वारा नहीं मिलने के बाद अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला और कहा कि वह बीजेपी से डर गई हैं। अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी को जितना जोर लगाना लगा लें, हम रथ यात्रा तो निकालकर रहेंगे और इसके लिए ईंट से ईंट बजा देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में माफियाओं का राज हो गया है। बता दें कि भाजपा अध्यक्ष अमित शाह खुद शुक्रवार को कुचबिहार से रथयात्रा को हरी झंडी दिखाने वाले थे।

अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि बीजेपी के विस्तार के लिए रथ यात्रा 7 दिसंबर, 9 दिसंबर और 14 दिसंबर से शुरू होना था। हमने प्रशासन से परमिशन मांगी थी। 2 और 12 और 20 नवंबर को रिमाइंडर भेजे गए। फिर 14, 20 और 23 नवंबर को पुलिस को रिमाइंडर भेजे गए लेकिन हमें परमिशन नहीं दी गई। दरअसल, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को भाजपा को कूचबिहार में रथयात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी थी। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने इसकी अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि इससे सांप्रदायिक तनाव फैल सकता है। ऐसी उम्मीद थी कि भाजपा अध्यक्ष अमित शाह शुक्रवार को यहां से रथयात्रा को हरी झंडी दिखा सकते थे। इसे पश्चिम बंगाल में पार्टी का अब तक का सबसे बड़ा अभियान बताया जा रहा था।

उन्होंने ममता बनर्जी पर हमला बोला और कहा कि बंगाल में लोकतंत्र का दमन हो रहा है। ममता बनर्जी लोकतंत्र का गला घोंट रही हैं। बंगाल के अंदर जिस तरह से तृणमूल का कुशासण चला है। इसके बाद जो हमनें आवाज उठाई तो इससे ममता जी डरी हुई हैं। उन्हें डर है कि इस यात्रा के निकलने के बाद पूरे बंगाल में परिवर्तन की लहर चलेगी। इसलिए उन्होंने यात्रा रोकी। पंचायत चुनाव में इनती हिंसा हुई जितनी आज तक वाम दलों के समय में भी नहीं हुआ था। इस हिंसा में बीजेपी के 20 कार्यकर्ताओं की हत्या हुई, 1341 कार्यकर्ता घायल हुए, कुल 65 से ज्यादा राजनीतिक हत्याएं हुई।

अमित शाह ने कहा कि मैं बंगाल की मुख्यमंत्री से स्टेटस पूछना चाहता हूं कि इन केसों का क्या हुआ। कोर्ट में चालान हुआ क्या, पुलिस और टीएमसी मिलकर राजनीतिक हत्याएं करा रहे हैं। दो करोड़ मतदाताओं को वोट डालने का अधिकारी ही नहीं मिला। इन सब के बावजूद हम बंगाल में ज्यादा सीटें जीते हैं। पंचायत चुनाव के बाद ममता जी की नींद उड़ी हुई है। इसलिए यात्रा को स्वीकृति नहीं दी गई। प।बंगाल में माफिया सक्रिय हैं। तृणमूल के मंत्री इन माफियाओं को पनाह दे रहे हैं।

अमित शाह ने आगे कहा कि प. बंगाल में अपराध हर दिन बढ़ रहे हैं। राजनीतिक हत्याओं में बंगाल कई सालों में सबसे ऊपर रहा है। तुष्टिकरण की वजह से पूरा प्रशासन खोखला हो चुका है। दशहरा और अन्य त्योहारों में यहां वोट बैंक की राजनीति की जा रही है। राज्य में महिलाओं के प्रति अत्याचार में बंगाल की स्थिति सबसे दयनीय है। 44 फीसदी मानव तस्करी के मामले बंगाल में पकड़े गए हैं। मेडिकल के दाखिले में 15 -15 लाख रुपये के डोनेशन से हो रहा है। स्कूल में दाखिले भी बगैर घूस के नहीं होते। अब बंगाल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार है। मैं ममता जी को सलाह देता हूं कि ऐसी यात्राओं को रोकेंगी तो बंगाल की जनता का आपके प्रति गुस्सा बढ़ेगा। ये तीनों यात्रा निश्चित तौर पर होगी। मैं ही जाऊंगा यात्रा शुरू करने। हम इसके लिए ईंट से ईंट बजा देंगे।

स्टेज पर बेहोश हुए केंद्रीय मंत्री गडकरी, ले जाया गया अस्पताल

अहमदनगर। महाराष्ट्र के अहमदनगर में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तबीयत खराब हो गई। गडकरी स्टेज पर ही बेहोश हो गए। इस दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल विद्यासागर राव उनके साथ मौजूद थे। गवर्नर ने ही उन्हें स्टेज पर संभाला। नितिन गडकरी को अस्पताल ले जाया गया है।।

नितिन गडकरी अहमदनगर में महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने के लिए गए थे। जिस दौरान वे राष्ट्रगान के दौरान खड़े हो रहे थे, तभी वह अचानक बेहोश हो गए। राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने ट्वीट कर नितिन गडकरी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। आपको बता दें कि इससे पहले भी कई बार नितिन गडकरी की तबीयत खराब हो चुकी है। कुछ समय पहले ही एक रैली के बाद उनकी तबीयत खराब होने की खबर थी। नितिन गडकरी केंद्र सरकार में सड़क परिवहन मंत्री हैं। इसके अलावा उनपर ही गंगा को साफ करने की भी जिम्मेदारी है।

गौरतलब है कि इससे नितिन गडकरी ने कुछ साल पहले ही वजन घटाने के लिए ऑपरेशन भी कराया था। नितिन गडकरी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रह चुके हैं, अभी नागपुर से सांसद भी हैं।

चीन की यारी पाकिस्तान पर पड़ रही है भारी!

नई दिल्ली। चीन की सदाबहार दोस्ती अब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ने लगी है। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट ऐंड रोड के तहत पाकिस्तान में भारी-भरकम लागत से बनाए जा रहे (चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर) का बोझ अब साफ तौर पर नजर आ रहा है।

हाल में सऊदी अरब से मदद मिलने के बावजूद पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार फिर से खाली होने वाला है। गुरुवार को स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार में हर सप्ताह 6.95 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

लगातार खाली होते विदेशी मुद्रा भंडार की चिंता के बीच पाकिस्तान को सऊदी अरब से जरूरी आर्थिक मदद मिली लेकिन इसके बाद भी पाक के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 13 हफ्तों से गिरावट जारी है।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले साढ़े 4 साल में सबसे निम्नतम स्तर पर आ गया है जिससे पाक पर आर्थिक संकट और गहरा गया है। सऊदी अरब से मदद मिलने के बाद पाक का विदेशी मुद्रा भंडार 8 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच गया था लेकिन एक बार फिर से भंडार इस आंकड़े से नीचे चला गया है। 30 नवंबर को स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के पास विदेशी मुद्रा भंडार 7.5 अरब डॉलर रहा जोकि एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार (8.06 अरब डॉलर) के मुकाबले 0.5 अरब डॉलर कम था। विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट बाहरी कर्ज सेवाओं और अन्य आधिकारिक भुगतान की वजह से हुई है।

दूसरी तरफ, पाकिस्तान पर कर्ज का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2018 में पाकिस्तान पर 31 ट्रिलियन रुपए का कर्ज हो चुका है। पिछले 3 महीनों में ही पाक के कर्ज में 984 अरब रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

जनवरी 2018 से केंद्रीय बैंक मुद्रा को एक-तिहाई कमजोर बना चुकी है और ब्याज दर भी 4.25 फीसदी बढ़ी है। कुल कर्ज और देनदारी में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (PSEs) कर्ज, गैर सरकारी बाहरी कर्ज और विदेश के प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों का कर्ज शामिल है। अगर देनदारी हटा भी दें तो पाकिस्तान का कुल कर्ज 29.4 ट्रिलियन रुपए है। इससे पहले पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 9.06 डॉलर पर पहुंच गया था जिसकी वजह से केंद्रीय बैंक ने दिसंबर 2017 से चौथी बार मुद्रा का अवमूल्यन किया था।

पिछले महीने चाइनीज एम्बैसी हेड ऑफ मिशन झाओ लिजन ने खाली खजाने के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को वित्तीय पैकेज देने का आश्वासन दिया था और यह भी संकेत दिया था कि चीन का पैकेज सऊदी अरब के पैकेज से ज्यादा बड़ा होगा।

एक महीने पहले चीन ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर का कर्ज दिया था। इस कदम का उद्देश्य विदेशी मुद्रा भंडार की गिरावट पर रोक और पाकिस्तान की नई सरकार को थोड़ी सी राहत देना था। हालांकि, चीन की इस फिक्र के पीछे पाक से उसकी दोस्ती नहीं बल्कि उसकी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट ऐंड रोड है। चीन को पता है कि अगर पाक किसी तरह के आर्थिक संकट में फंसता है तो उसकी सीपीईसी परियोजना पर भी खतरा मंडराने लगेगा।

विश्लेषकों के मुताबिक, पाकिस्तान की इस हालत के पीछे दोस्त चीन का ही हाथ है। पाकिस्तान का आयात लगातार बढ़ा है और चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर में लगी कंपनियों को भारी-भरकम भुगतान के कारण भी विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो रहा है। CPEC प्रोजेक्ट के तहत भारी स्तर पर चीनी मशीनरी के आयात की वजह से करेंट अकाउंट घाटा पर दबाव पड़ा है। दूसरी तरफ तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से तेल आयातक पाकिस्तान की मुसीबतें बढ़ी हैं।

चीन अपने कर्ज के जाल में श्रीलंका को पहले ही फंसा चुका है। कर्ज के बोझ तले दबे हुए श्रीलंका को चीन को रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हंबनटोटा बंदरगाह 99 साल के लिए लीज पर सौंपने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीपीईसी परियोजना में बड़े पैमाने पर सड़कें और रेलवे लाइन पाकिस्तान के संसाधनों का इस्तेमाल कर बनाई जाएंगी। इस परियोजना से शिनजियांग प्रांत को ग्वादर पोर्ट से जोड़ा जाना है।

हालांकि, 2030 तक पाकिस्तान को 90 अरब डॉलर का भुगतान अदा करना होगा जोकि एक बड़ी चुनौती होगी। इस परियोजना के सभी टेंडर चीनी कंपनियों को दिए जाएंगे और उन्हें किसी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का भी सामना नहीं करना पड़ेगा। नतीजा ये होगा कि चीनी कंपनियां ज्यादा चार्ज वसूल सकेंगी। कुल मिलाकर, कई तरीकों से सीपीईसी पाक की अर्थव्यवस्था की दुर्गति के लिए जिम्मेदार है।

एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) के तहत भारी-भरकम चीनी कर्ज को लेकर परेशान हैं। अक्टूबर महीने में पाक के रेल मंत्री शेख राशिद ने सीपीईसी के एक रेलवे प्रोजेक्ट की लागत में भी 2 बिलियन डॉलर की कटौती करने की घोषणा की थी। रेल मंत्री ने कहा था कि पाक इतना भारी कर्ज वहन नहीं कर सकता है

प्रेमिका की हत्या कर बना साधु, पांच साल बाद भागवत कथा में पकड़ा गया

मध्य प्रदेश के छतरपुर में पुलिस ने भागवत कथा सुना रहे एक साधु को प्रेमिका की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि आरोपी ने पांच साल पहले अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी थी और साधु के भेष में वह छिपा हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, 18 अक्टूबर 2013 को भिलाई के रामनगर में एक युवती की लाश मिली थी। उसकी पहचान रीता साहू के रूप में की गई थी। मृतका का प्रेमी सुशील दूबे घटना के बाद से फरार था।

आरोपी सुशील ने बताया कि वो रीता से बहुत प्यार करता था। रीता के दूसरे ल?कों से शारीरिक संबंध थे। कई बार मना करने के बावजूद वह उनसे मिलती थी इसलिए सुशील ने गुस्से में उसकी हत्या कर दी थी।

हत्या के बाद आरोपी सुशील साधु बन गया और प्रयागराज में कथा-भागवत सुनाने लगा। पांच साल बीत जाने के बाद भी पुलिस को उसके बारे में कोई सुराग नहीं मिला। फिर एक दिन एक फोन कॉल ने उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

दुर्ग के एडिश्नल एसपी विजय कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी सुशील प्रयागराज में हनुमान दास महाराज के नाम से छिपा था। उसके बारे में तब पुलिस को पता लगा जब परिवार के फोन पर हनुमान दास महाराज के बार- बार कॉल आने लगे।

फिर पुलिस ने नंबर ट्रेस करवाकर हनुमान दास महाराज की तलाश शुरू की। वह मध्य प्रदेश के रामकुंड में आयोजित भागवत कथा में आया था।

पुलिस ने कई दिन तक उस पर नजर रखी। फिर हाथ पर रीता का टैटू देखकर पुलिस का शक यकीन में बदल गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ब्रिटेन ने खत्म किया धनी लोगों के लिए गोल्डेन वीजा

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने धनी लोगों को दी जाने वाली गोल्डेन वीजा की सुविधा को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। ब्रिटेन में 76 भारतीय अरबपति भी इस वीजा सुविधा का लाभ उठाकर स्थायी रूप से वहां रह रहे हैं। सरकार के अनुसार दुरुपयोग की आशंका से इस वीजा सुविधा को निलंबित किया गया है।

ब्रिटेन में टीयर-1 स्तर के निवेशक भारतीयों को फास्ट ट्रैक रूट से यह वीजा दिया जाता है। ये ब्रिटेन में करो?ों रुपये का निवेश करने की योजना के साथ वहां आते हैं। गोल्डेन वीजा की यह सुविधा शुक्रवार रात से निलंबित कर दी गई। अगले साल बनने वाले नए नियमों तक यह व्यवस्था निलंबित रहेगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 2009 से लागू इस व्यवस्था के तहत गोल्डेन वीजा प्राप्त कर 76 भारतीय अरबपति ब्रिटेन में स्थायी रूप से रह रहे हैं। सबसे ज्यादा 16 भारतीय अरबपति 2013 में आए जबकि 2017 में सात लोग ब्रिटेन आए। 2017 में इस खास वीजा को प्राप्त कर एक हजार से ज्यादा चीन और रूस के अरबपति ब्रिटेन आए और वहां बस गए। ब्रिटेन की आव्रजन मामलों की मंत्री कैरोलिन नोक्स ने कहा है कि असली और वास्तविक निवेशकों के लिए उनके देश के द्वार खुले हुए हैं। ऐसे लोग ब्रिटेन आकर हमारी अर्थव्यवस्था और कारोबार को बढावा देने में सहयोग कर सकते हैं। लेकिन हम उन लोगों से सावधान हैं जो केवल नियमों का लाभ उठाकर अपने मतलब के लिए ब्रिटेन आ रहे हैं और यहां बस जा रहे हैं। ऐसे मतलबी लोगों को ध्यान में रखकर ही नियमों में बदलाव किए जाएंगे।

इस बच्ची को चाहिए दुनिया का रेयरेस्ट ब्लड, दो देशों में मिले सिर्फ 3 डोनर

फ्लोरिडा। 2 साल की मासूम ऐनब मुगल एक ऐसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है जिससे बचने के लिए उसे दुनिया के सबसे रेयर ब्लड ग्रुप की जरूरत है। ऐसे रेयर ब्लड ग्रुप की खोज पूरी दुनिया में चल रही है। जानकारी के मुताबिक 2 साल की जैनब का ब्लड दुनिया के कुछ रेयरेस्ट ब्लड ग्रुप में से एक है। 2 साल की जैनब कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रही है। इससे जीतने के लिए उसे करीब 7 से 10 लोगों के ब्लड की जरूरत है, जो की बहुत रेयर है और अभी तक मिल नहीं पाया है।

सिर्फ इन तीन देशों में हो सकते है रेयर डोनर

एक्सपर्ट की माने तो पाकिस्तानी, हिंदुस्तानी और ईरानी मूल के लोगों का ही ब्लड जैनब के ब्लड ग्रुप से मैच हो सकता है। साउथ फ्लोरिडा का एक एनजीओ वन ब्लड दुनिया भर में मासूम के लिए इन ब्लड ग्रु प के लोगों की तलाश कर रहा है। एक्सपर्ट के अनुसार इस पापुलेशन के केवल 4 लोग ही ऐसे हैं जिनका ब्लड जैनब के ब्लड से मैच हो सकता है।

यूएस में खोज रहे है ऐसे रेयर डोनर

एक्सपर्ट की माने तो पाकिस्तानी, हिंदुस्तानी और ईरानी मूल के लोगों का ही ब्लड जैनब के ब्लड ग्रुप से मैच हो सकता है। साउथ फ्लोरिडा का एक एनजीओ वन ब्लड दुनिया भर में मासूम के लिए इन ब्लड ग्रुप के लोगों की तलाश कर रहा है। एक्सपर्ट के अनुसार इस पापुलेशन के केवल 4 लोग ही ऐसे हैं जिनका ब्लड जैनब के ब्लड से मैच हो सकता है।

यूएस में खोज रहे हैं ऐसे रेयर डोनर

वन ब्लड की लैब मैनेजर फ्रेडा ब्राइट के अनुसार इस तरीके का ब्लड ग्रुप मिलने के बहुत ही कम चांसेस हैं। उन्होंने आगे कहा कि बच्ची को बचाने की वे पूरी कोशिश कर रहे हैं इसलिए उनकी टीम इस रेयर ब्लड ग्रुप वाले लोगों को तलाश रही है। वह मुख्यता इस मूल के लोगों को यूएस में खोज रहे हैं।

चाहिए ये खास ब्लड

किसी व्यक्ति के ब्लड ग्रुप की पहचान एंटीजन से होती है। जैनब के ब्लड ग्रुप में इंडियन बी नाम का एंटीजन नहीं है। उसकी बॉडी ऐसे किसी भी ब्लड को खा जाएगी जो उससे चढ़ाया जायेगा। इसीलिए डोनर में भी इसी एंटीजन का मिसिंग होना जरूरी है और साथ ही यह ब्लड ग्रुप या ओ होना चाहिए।

अब तक मिले है सिर्फ 3 डोनर

रेयर डोनर प्रोग्राम के सांद्र नैन्स सीनियर डायरेक्टर ऑफ अमेरिकन का कहना है कि ऐसे डोनर बहुत ही रेयर होते हैं और बहुत ही मुश्किल से मिलते हैं। नैन्स कहते हैं कि प्रोग्राम के द्वारा 15 रेयर ब्लड ग्रुप पहचाने गए हैं। जबकि, प्रोग्राम के जरिए 120000 डोनर को रजिस्टर्ड किया गया हैं। चिंता की बात ये है कि प्रोग्रम में रजिस्टर्ड र डाटाबेस में से किसी का भी ब्लड जैनब के ब्लड से मैच नहीं हुआ। व%न ब्लड% एनजीओ का कहना है कि जब से इस ब्लड की खोज शुरू की गई है तब से सिर्फ दो डोनर यूएस में और एक कंपार्टेबल डोनर यूके में मिला है।

लंबी दूरी के मिसाइल बेस का विस्तार कर रहा उत्तर कोरिया

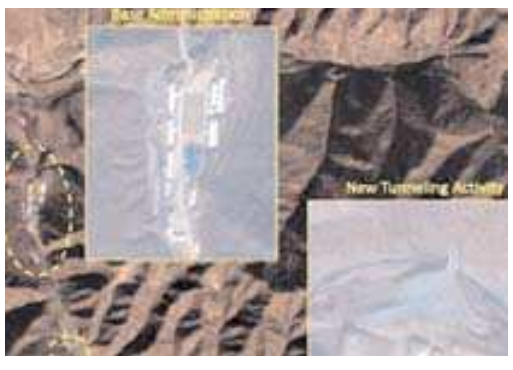

वाशिंगटन। अमेरिकी चैनल सीएनएन ने सैटेलाइट की तस्वीर के आधार पर दावा किया है कि उत्तर कोरिया लंबी दूरी के मिलाइल बेस का विस्तार कर रहा है। सीएनएन का दावा है कि उत्तर कोरिया पहाड़ी में स्थित प्योंगयांग में योंगजियो-डोंग मिसाइल बेस का न केवल विस्तार कर रहा है बल्कि नया बेस भी तैयार कर रहा है। चैनल का कहना है कि जून में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की सिंगापुर में मुलाकात हुई थी। दोनों देशों के बीच निःशस्त्रीकरण के समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके बाद भी उत्तर कोरिया समझौते का पालन नहीं कर रहा है। दूसरे अमेरिकी एक्सपर्ट ने कहा कि उत्तर कोरिया पर हमारी बारीकी से नजर है। आपको बता दें कि शनिवार को अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिम योंग किम से 2019 में मुलाकात की उम्मीद जताई थी। गुरुवार को अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का मानना है कि सिंगापुर शिखर बैठक में दोनों देशों के बीच हुए समझौते का उत्तर कोरिया के नेता पालन नहीं कर रहे हैं।

रांदेर क्षेत्र के अपार्टमेंट की पार्कींग से दारु का जत्था बरामद

दो गाड़ियों सहित 4 पाख का माल जप्त

सूरत। पुलिस कमिश्नर सतीष शर्मा के निर्देश पर शहरी क्षेत्र मे चल रहे दारू तथा जुए के अड्डों पर छापेमारी की कार्यवाई जोरो पर है। इसी कड़ी में शुक्रवार को रादेर क्षेत्र के ेक अपार्टमेंट में छापेमारी की कार्रवाई की गई। जहां से अपार्टमेंट की पार्कींग मे खड़ी गाड़ियों से दारू का जत्था मिला।

प्राप्त जानकारी अनुसार पी.एस.आई आर.आर. चौधरी पी.सी.बी शाखा तथा पुलिस इस्पेक्टर एच.आर. ब्रह्मभट्ट, एस.ओ.जी. को सूचना मिली थी कि रांदेर स्थित अपार्टमेंट की पार्कींग में खड़ी गाड़ियों में दारू भरा हुआ है।

पुलिस ने सूचना के आधार पर गुरुवार को रांदेर के जघड़िया चौकड़ी, पालनपोर जकातनाका के निकट ओल्मपिया अपार्टमेंट की पार्कीटग में छापामार कर पार्कींग में खड़ी कार सेवरोलेट नं. जीजे 05 जेडी 0518, कीमत 2,00000 तथा मारूति कंपनी की कार वैगन आर गाड़ी नं. जीजे 14 ई 7441 कीमत 1,50000 में से तथा प्लैट नं. ए-203 से इंग्लिस दारू की छोटी बड़ी 20, बोतले बरामद की जिसकी कुल कीमत 45,950 रुपये मिलाकर पुलिस ने कुल 3,95,950 रुपये का मुद्दामाल कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आरोपी हेमन्त ईश्वरभाई वाणंद (50) को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

सेंट्रल जोन सहित शहर के कई हिस्सों में चला पालिका का हथोड़ा

सूरत। सैंट्रल जोन के डेप्युटी कमिश्नर तथा कार्यपालक इंजीनियर के निर्देश पर सेंट्रल जोन क्षेत्र स्थित वार्ड नं.-7, नोध नं. 2595 से 2597, महाकाली मंदिर के बगल वाली मिल्कत में मिल्कतदार जयेश बालकृष्ण मंहत सहित कई लोगों द्वारा सूरत महानगर पालिका द्वारा मंजूर प्लान के विरुद्ध निर्माण पर डिमोलेशन की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में सेंट्रल जोन के शहर विकास विभाग, अत्किरमण निरोधक विभाग तथा सूरत महानगर पालिका के सिक्यूरिटी स्टाफ का सहयोग लिया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 2600 वर्गफुट जगह खाली कराया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माण करने वालों से प्रशासनिक खर्च के रुप में कुल 1,10,00 रुपये वसूल किया गया।

सूरत। पांडेसरा बमरौली रोड़पर डिमोलेशन की कार्रवाई करते मनपा कर्मचारी

सूरत डिस्ट्रीक्ट मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी

विवाद में मानद मंत्री का धमकी

सूरत। सूरत डिस्ट्रीक्ट मुस्लिम एजुकेशन के मानद मंत्री सैयद अहमद बगदादी ने आरोपी जहूर कुरैशी सहित कई लोगों के विरुद्ध जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की है।

लालगेट पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सैयदवाडा, हबीब मंजिल निवासी सैयद अहमद स ैयद हबीब बगदादी ने आरोपी जहूर कुरैशी , सूर्या चीकन, मुस्तुफा नान निवासी झापा बाजार, शाकीर सुहेल, अयुब ईटवाला के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराया। पुलिस के दिए तहरीर में फरीयादी ने बतया है कि सूरत डिस्ट्रीक्ट मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के फैज ए.एन चक्कीवाला गर्ल्स स्कूल की तीसरी मंजिल स्थित एंग्लो ऊर्दू शाला हाल में विद्यार्थियो के लिए मोटिवेशनल कार्यक्रम के लिए बैठक बुलाई गई थी। जहां आरोपी ने इस मीटिंग में गैर कानूनी तरीके से घुसकर फरीयादी का कालर पकडकर गाली दी तथा मानद मंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा। इस्तीफा न देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

आकारणी विभाग ने वसीले 12 लाख टेक्स

सूरत। डेप्युटी कमिश्नर साउथ ईस्ट जोन लिंबायत के मार्गदर्शन में आकारणी तथा वेरा वसूलात विभाग स्टाफ द्वारा आकारणी वार्ड नं. 41 ए तथा डी में स्थित एच.टी.सी मार्केट तथा सूरत टेक्सटाइल मार्केट में बकाया टैक्स की वसूली की गई। वसूली के दौरान कई वर्षों से टेक्स की भरपाई न कर रहे 11 दुकानों पर सील मारा गया। जिसमें से 10 दुकानदारों ने मौके पर 12,61,150 जमा कर दिए। जिससे उनकी दुकानों के सील खोल दिए गए।

इस तरह की कार्रवाई 31 मार्च 2019 तक महानगर पालिका की तरफ से अनवरत जारी रहेगा। गौरतलब है कि मंदी के कारण ज्यादातर व्यापीर लगातार हो रहे घाटे के कारण प्रोपर्टी टेक्स नहीं जमा कर पाए है। ऐसे में महानगर पालिका द्वारा वसूली की कार्रवाई से दुकानदारों पर दोहरी मार पड़ रही है।

धागा कटिंग के लिए साड़ी लेने आई किशोरी से बलात्कार

सूरत। किशोर वय की लड़की के साथ बलात्कार की शिकायत अमरोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। अमरोली पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार छापरा भाटा रोड़ स्थित मणिपुरुषोत्तम नगर में रहने वाले रणजीत बुधीराम विंद साड़ी साड़ीयों का जत्था लाकर धागा कटिंग के लिए महिलाओं को देता था। भुक्त भोगी लड़की थी इसके यहां से धागा कटिंग के लिए साड़ियां ले जाती थी। घटना के दिन 15 वर्षीय किशोरी अकेले ही साड़ी लेने आरोपी के घर गई थी। लड़की के अकेले पन का लाभ उठा कर आरोपी घर के अन्दर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने घटना को अंजाम देने के बाद किशोरी को धमकी दी कि अगर तुमने इस बारे में किसी को बताया तो तुझे जाने से मार दुंगा। किशोरी की तहरीर पर अमरोली पुलिस ने पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है।

श्री डुंभाल हनुमान मंदिर ट्रस्ट का श्यामबाबा प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव आज से

सूरत। श्री डुंभाल हनुमान मंदिर ट्रस्ट, सूरत द्वारा श्री दुधेश्वर महादेव, श्री नीलकंठ महादेव एवं श्री शितला माताजी, श्यामबाबा प्राणप्रतिष्ठा तीन दिवसी महोत्सव 8 दिस बर से 10 दिस बर 2018 दौरान मनाया जाएगा। जीतु महाराज ने बताया कि 8 दिस बर शाम को अखंड रामधुन, 9 को सुबह 9.30 बजे कुटीर होम होगा। शोभायात्रा देवपार्क सोसायटी, करूणा सागर, आईमाता चौक होते हुए डुंभाल मंदिर पहुंचेगी। 10 दिस बर को दोपहर 2.39 बजे भव्य प्राणप्रतिष्ठा होगी। आयोजक श्री डुंभाल हनुमान मंदिर ट्रस्ट, डुंभाल सूरत के सभी भक्तगण को कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

शादी का झांसा देकर किशोरी को बनाया गर्भवती

सूरत। शहर के डिंडोली भेस्तान आवास में नवालिंग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म कर गर्भवती बनाने वाले के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

डिंडोली पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार आरोपी अयुब शेख, जुलेखाबान आयुब शबनम के विरुद्ध शारीरिक शोषण, गर्भवती बनाने तथा गर्भपात कराने के बाद जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने फरीयादी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में पास्कों एक्ट की धारा के तहत जांच शुरु कर दी है। गौरतलब है कि शहर के किशोर वय की लड़कियों को बहला फुसला कर उनके साथ शारीरिक शोषण की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती है। लड़कियों के साथ दुष्कर्म के बढते मामलों के लिए कुछ हद तक उनके अभिभावक भी जिम्मेदार है। जो समय रहते किशोरवय के लड़के लड़कियों की गतिविधियों की तरफ ध्यान नहीं देते और मामला बिगड़ जाने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराते है। इस तरह की घटनाओं किशोरवय की लड़कियों को भी सीख लेनी चाहिए।

अमरोली में शादी से दूल्हन के गहने चोरी

सूरत। वराछा इलाके स्थित खोखर पार्टी प्लॉट से शादी में से दुल्हन के 4 लाख के गहने की थैली दो अज्ञातों ने चोरी कर फरार हो गए। अमरोली पुलिस सूत्रों अनुसार मोटा वराछा रीवरव्यु हाइट्स में रहनेवाला संजय प्रेमजी इसामलिया हीरा कारखाने में मजदूरी कार्य करते है। संजय की बेटी का गत 2 दिस बर को मोटा वराछा भडियादरा फार्म के समीप आनंदधारा सोसायटी के पास स्थित खोखर पार्टी प्लॉट में विवाह हुआ। संजयभाई ने अपनी बेटी को उपहार में देने के लिए 4 लाख रुपए की कीमत का सोने का गहना लिया था और गहने थैली में रखा था। इस दौरान विवाह के अवसर पर भीड़ में दो अज्ञातों ने संजय की माता और चाची की नजर बचाकर गहने रखा थैला चोरी करके फरार हो गये। पुलिस ने संजय इसामलिया की शिकायत लेकर जांच शुरू की है।

सुरत जिला कलेक्टर की उपस्थिति में सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया

सूरत। शुक्रवार को सुरत जिला कलेक्टर की उपस्थिति में सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया । उन्होंने नागरिकों से अपील किया व बताया की देश की रक्षा में सेवा कर रहे सैनिकों व शहीद सैनिकों के परिवार के लिए देश के नागरिकों ,संस्थाओं, सरकारी कार्यालयो ,शैक्षणिक संस्थाओं व कम्पनियों यथाशक्ति योगदान देकर शहीदों के प्रति कर्ज चुकाने का उत्तम तरीका है। अपने सैनिक जब तमतमाती धूप- छाव,सर्दी में अपने परिवार से दूर रहकर अपनी ड्यूटी पर डटे रहते है तो हर नागरिक का कर्तव्य है की यदि फूल देने में समर्थ न हो तो फूल की पंखुड़ियों देकर कर्ज अदा कर सकता है यही हमारी अभिलाषा है। सशस्त्र सेना झंडा दिवसयाझंडा दिवस भारतीय सशस्त्र बलोंके कर्मियों के कल्याण हेतु भारत की जनता से धन-संग्रह के प्रति समर्पित एक दिन है। यह 1949 से 7 दिसम्बर को भारत में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर हुए धन संग्रह के तीन मुख्य उद्देश्य है- १. युद्ध के समय हुई जनहानि में सहयोग, २. सेना में कार्यरत कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण और सहयोग हेतु, ३. सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण हेतु। इस दिवस पर धन-संग्रह सशस्त्र सेना के प्रतीक चिन्ह झंडे को बाँट कर किया जाता है। इस झंडे में तीन रंग (लाल, गहरा नीला और हल्का नीला) तीनों सेनाओं को प्रदर्शित करते है।

कामरेज तथा कडोदरा में दुर्घटना, 3 की मौत

सूरत। कड़ोदरा जी.आई.डी.सी तथा कामरेज कैनाल रोड़ पर घटी 3 वाहन दुर्घटना में 3 व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार उधना के रामदेव नगर में रहने वाले दिनेश मोरे ने कडोदरा जी.आई.डी.सी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराया है। जिसमें कहा है कि कडोदरा गांव की सीमा में चामुंडा होटल के सामने बिना नम्बर की कार के चालक ने मोटर सायकल सवार को टक्कर मार दी। जिसके पीछे बैठी गुंजनबेन नाम की एक महिला के सिरपर गंभीर चोट आने से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दूसरी घटना कडोदरा जी.आई.डी.सी के ताती थैया गांव के पास घटी। जिसमें ए.एच. 6423 नम्बर क्रेन के चालक ने रास्ते पर सो रहे वासूदेव पर देशी (27) के सिर पर चढा दिया। जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद क्रेन चालक वहां से फरार हो गया।

जबकि तीसरी घटना कामरेज कैनाल रोड़ पर घटी जिसमें अज्ञात मोटर सायकल चालक ने दूसरे मोटर साइकल को टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाला अज्ञात मोटर सायकल सवार टक्कर मारने के बाद वहां से फरार हो गया। इस टक्कर में पहले मोटर सायकल सवार के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी भी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

व्यापारी का प्लॉट हड़पा

सूरत। शहर के वेडरोड लक्ष्मीनगर सोसायटी में स्थित व्यापारी के प्लॉट खलाने द पति ने हड़प लिया और व्यापारी के साथ मारपीट की।

चौक बाजार पुलिस सूत्रों के अनुसार वेडरोड वालीनाथ चौक तृप्ती सोसायटी निवासी अशोककुमार बाबुलाल जैन व्यापार व्यवसाय के साथ जुड़े हैं। अशोक कुमार का वेडरोड लक्ष्मीनगर सोसायटी में प्लॉट स्थित है और प्लॉट पर सोसायटी में ही रहनेवाले बुबु नाना खलाने और उनकी पत्नी वैशाली ने नीयत बिगाड़कर कब्जा किया था।

पेपर लीक केस में अब तक पकड़े गए प्यादे हैं, असली बादशाह कोई और है: हार्दिक

सूरत। एलआरडी पर्चा लीक पर प्रतिक्रिया देते हुए पास नेता हार्दिक पटेल ने कहा कि इस मामले में अब तक केवल प्यादों को गिर तार किया गया। असली बादशाह तो कोई और ही है। प्यादों की नहीं असली बादशाह की गिर तारी होनी चाहिए।

अहमदाबाद और सूरत में दर्ज राजद्रोह केस में जमानत मिलने के बाद सूरत पास कन्वीनर अल्पेश कथीरिया को शहर के अमरौली पुलिस थाने में दर्ज 307 के अन्य एक मामले में गुरुवार को जमानत मिल गई है। तीनों मामलों में जमानत मिलने से अल्पेश कथीरिया की जेल रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। जिससे सूरत पाटीदारों में खुशी का माहौल है। पास नेता हार्दिक पटेल आज अल्पेश कथीरिया के पिता के साथ सूरत की लाजपोर पहुंचे। लेकिन अल्पेश कथीरिया से मुलाकात नहीं होने पर हार्दिक पटेल उनके घर गए। जहां मीडिया से बातचीत में हार्दिक पटेल ने पेपर लीक कांड को लेकर सरकार को आड़े हाथ लिया। हार्दिक पटेल ने कहा कि तलाटी भर्ती का पर्चा लीक होने के अब एलआरडी का पेपर उत्तर गुजरात से लीक हुआ है। जिसका कनैक्शन भाजपा के बड़े नेता से है। उन्होंने कहा कि एलआरडी पर्चा लीक मामले में अब तक केवल प्यादों को गिर तार किया है, असली बादशाह को अब भी कानून की गिरफ्त से बाहर है। उत्तर गुजरात पर निशान साधते हुए हार्दिक पटेल ने भाजपा नेता शंकर चौधरी पर भी आरोप लगाए। अल्पेश कथीरिया के जेल से बाहर आने के बाद की रणनीति की हार्दिक पटेल ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अल्पेश के जेल से बाहर आने पर उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा और गाजे-बाजे के साथ उन्हें घर ले जाया जाएगा। जिसके बाद स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक जाने पर भी विचार किया जा रहा है। हांलाकि इस बारे में बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। हार्दिक पटेल ने कहा कि अल्पेश की मुक्ति की खबर से पाटीदार युवा उत्साहित हैं और इसीलिए 20 दिसंबर को अमरेली में पदयात्रा और 23 दिसंबर को बालापर में विशाल किसान सभा का आयोजन किया गया है।

पांडेसरा में हिला ने लगाई फांसी

सूरत। शहर के पांडेसरा स्थित शांतिवन सोसायटी निवासी एक महिला ने शुक्रवार की दोपहर फांसी लगा ली। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष के बीच है। दोपहर 12 बजकर 20 मिनट के करीब महिला को फांसी पर लटके हुए देखा गया। बमरोली रोड़ तेरेनाम चार रास्ता के निकट शांति वन सोसायटी में रहने वाली मृतक महिला के 4 बच्चे है। महिला के पति का नाम विनेद बताया जा रहा है। मृतक महिला के बच्चों का नाम शिवम, सत्यम, राधा तथा काजल है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक का पति विनोद सिंह राजपुत तथा बड़ा भाई लवकुश सिंह घटना स्थल पर पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही पांडेसरा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)